University in News on 21 January 2020

Amar Ujala-My City Page 5

शिक्षक और छात्रों की टीम तैयार करेगी शताब्दी समारोह की रूपरेखा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के आयोजन के लिए शिक्षक और विद्यार्थियों की टीम सुझाव देगी। इन सुझावों के आधार पर ही शताब्दी समारोह के प्रस्तावित कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जाएगा। विवि प्रशासन ने इसके लिए पांच शिक्षक और पांच विद्यार्थियों को शामिल करते हुए 10 सदस्यीय समिति बनाई है। समिति ने सोमवार को अपनी पहली अनौपचारिक बैठक भी की, जिसमें प्रस्तावित कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। प्रो. निशि पांडेय को इस समिति का संयोजक बनाया गया है। इसके अलावा प्रो. केके अग्रवाल, डॉ. विनीता कोचर, डॉ. अनूप कुमार सिंह, डॉ. भवनेश्वरी भारद्वाज के साथ ही विद्यार्थी प्रतिनिधि में अंश शर्मा, स्वाति श्रीवास्तव, शुभि गुप्ता, अनुराग सिंह और अभिनव जैन को शामिल किया है। समिति की पहली बैठक में शताब्दी समारोह में नये निर्माण, सांस्कृतिक तथा खेल गतिविधियों के आयोजन की बात कही गई है। कुलपति के साथ बैठक होने के बाद इस पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी।

सेमेस्टर में अनिवार्य होगी 450 घंटे पढ़ाई

लविवि में सीबीसीएस का खींचा जा रहा खाका, 24 को बैठक में विभागाध्यक्ष रखेंगे नया सिलेबस

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परास्नातक स्तर पर हर सेमेस्टर में अब 450 घंटे की पढ़ाई अनिवार्य होगी। हर चैप्टर के लिए अनिवार्य कक्षाओं तथा उसके लिए निर्धारित क्रेडिट भी पहले से ही तय होंगे। विश्वविद्यालय में लागू किए जा रहे चॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के लिए सभी विभागों में तैयारी हो रही है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इन बिंदुओं के आधार पर विभागाध्यक्षों को सिलेबस तैयार करने को कहा है। 24 जनवरी को सभी विभागाध्यक्षों को नया सिलेबस तैयार करके बैठक में रखना है।

लविवि परास्नातक स्तर पर पूरी तरह से चॉयस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम सीबीसीएस लागू कर रहा है। विवि ने जो खाका तैयार किया है, उसमें सिलेबस को अब चार के बजाय पांच यूनिट में बांटा गया है। ज्यादा यूनिट होने पर परीक्षा में सवालों की संख्या बढ़ सकती है। सिलेबस भी पहले के मुकाबले बढ़ जाएगा। कुलपति के निर्देश के अनुसार सभी विभागों को पाठ्यक्रम के लिए 90 से 120 क्रेडिट रखने हैं। इनकी पढ़ाई के लिए एक सेमेस्टर में कम से कम 90 दिन की अनिवार्य कक्षाएं होंगी। सप्ताह में पढ़ाई के लिए 25 घंटे न्यूनतम समेत सेमेस्टर में कुल मिलाकर 450 घंटे की पढ़ाई होना अनिवार्य होगा। सेमेस्टर स्तर पर न्यूनतम 24 घंटे और इलेक्टिव विषयों के लिए भी न्यूनतम चार क्रेडिट अनिवार्य किए जाएंगे। विद्यार्थियों को यह सुविधा मिलेगी कि वे इलेक्टिव विषयों की पढ़ाई अपने विभाग के अलावा अन्य विभागों में भी कर सकें। विभाग में दो तरह के वैकल्पिक विषय रखने होंगे। पहले- जो विभाग के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होंगे जबकि अन्य विभाग के विद्यार्थी उसमें दाखिला ले सकेंगे। दूसरे वो जिसमें वैकल्पिक विषय विभाग तथा अन्य विभाग के छात्रों के लिए भी उपलब्ध होंगे।

योग, नैतिक शिक्षा तथा पर्यावरण पर आधारित होंगे वैकल्पिक विषय

सीबीसीएस में विद्यार्थियों को मिलने वाले वैकल्पिक विषय मुख्य रूप से योग, नैतिक शिक्षा, पर्यावरण विज्ञान, कला और संस्कृति पर आधारित होंगे। इन पेपर में भी मुख्य विषय के समान ही क्रेडिट होंगे। ऐसे में विद्यार्थी इनको ध्यान से पढ़ेंगे।

विकल्प में कर सकेंगे मूक्स के कोर्स

सीबीसीएस लागू होने के बाद परास्नातक के छात्र विकल्प के रूप में अन्य विषयों के साथ ही मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्सेज (मूक्स) से भी पढ़ाई कर पाएंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विद्यार्थियों को उनके मुख्य विषय के साथ ही अन्य विषयों का ज्ञान देने की नीयत से सभी विश्वविद्यालयों को सेमेस्टर प्रणाली के और सीबीसीएस लागू करने का निर्देश दिया है। इसमें विद्यार्थियों को अपने विषय से अलग एक वैकल्पिक विषय लेने की सुविधा मिलती है। इस तरह से विज्ञान वर्ग का विद्यार्थी कला और कला वर्ग का विद्यार्थी किसी अन्य वर्ग का विषय भी ले सकता है। लविवि में इसे पूरी तरह से लागू किया जा रहा है। अगले चरण में इसे स्नातक पर भी लागू किया जाएगा।

ये होंगी मुख्य बातें :

- सेमेस्टर में कम से कम 90 दिन और 450 घंटे की पढ़ाई अनिवार्य होगी।
- हर टॉपिक के आगे उसके लिए निर्धारित क्रेडिट तथा अनिवार्य कक्षाओं की संख्या भी होगी।
- चार के बजाय पांच यूनिट में सिलेबस होगा, परीक्षा में प्रश्न की संख्या बढ़ेगी।
- सेमेस्टर में कम से कम 24 और पाठ्यक्रम में न्यूनतम 90 क्रेडिट अनिवार्य होंगे।
- विकल्प में मूक्स के कोर्स लेने की होगी आजादी।
- नैतिक शिक्षा, योग, कला और पर्यावरण आधारित होंगे वैकल्पिक विषय।
- हर पेपर में कम से कम चार क्रेडिट अनिवार्य होंगे।

NBT Page 7

31 तक डिजी लॉकर अकाउंट बनाने का मौका

एलयू और सम्बद्ध कॉलेजों के स्टूडेंट्स को निर्देश जारी

■ **एनबीटी, लखनऊ :** लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध कॉलेजों में पढ़ने वाले एक लाख से ज्यादा स्टूडेंट्स को जल्द ही डिजी लॉकर की सुविधा मिलेगी। इसके लिए सभी स्टूडेंट्स को 31 जनवरी तक डिजी लॉकर अकाउंट बनाना होगा। एलयू के यूनिवर्सिटी डेटा रिसोर्स सेंटर (यूडीआरसी) के निदेशक प्रो. अनिल मिश्रा ने सोमवार को निर्देश जारी कर दिया।

यूडीआरसी निदेशक प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि स्टूडेंट्स www.digitallocker.gov.in के माध्यम से डिजी लॉकर अकाउंट बना सकते हैं। इसके अलावा मोबाइल पर डिजी लॉकर ऐप डाउनलोड करके भी अकाउंट खोल सकते हैं। डिजी लॉकर सभी कॉलेज के स्टूडेंट्स को भी बनाना होगा। खाता बनने के बाद छात्रों को अप्लिकेशन अकाउंट डैशबोर्ड पेज दिखाएगा। छात्र अपने दस्तोवज इसमें अपलोड कर सकेंगे।

समस्या के लिए यहां करें संपर्क

अकाउंट बनाने में किसी भी तरह की समस्या पर कंप्यूटर सेंटर पर डॉ. रविशंकर गुप्ता से दोपहर दो से चार बजे तक संपर्क कर सकते हैं।

ये दस्तावेज जरूरी

■ आधार नंबर ■ एक सक्रिय मोबाइल नंबर हो, जो उनके आधार कार्ड के साथ पंजीकृत होना चाहिए।